Hindi Murli Quiz 24-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) आज की मुरली में बाबा ने कौन से गीत का अर्थ बताया -

A. जाग सजनिया जाग ....
B. भोलेनाथ से निराला.....
C. ॐ नमः शिवाय....
D. इनमें से कोई भी सही नहीं है |

Explanation: गीत भी है ना-रात के राही थक मत जाना..... आत्मा को घर जाना है। आत्मा ही राही है। आत्मा को रोज़ समझाया जाता है अब तुम शान्तिधाम जाने के राही हो। तो अब बाप को, घर को और वर्से को याद करते रहो।

Q.2) भारतवासी ही ___ प्रतिशत सौभाग्यशाली थे सो फिर ___ प्रतिशत दुर्भाग्यशाली बने हैं फिर तुमको सौभाग्यशाली बनाने के लिए पढ़ाया जाता है।

- 100
- १००
- सौ

Q.3) सन्यासियों आदि के पास जाते हैं, समझते हैं मन को शान्ति मिलेगी। मिलती है सो भी अल्पकाल की |

A. False
B. True

Explanation: सन्यासियों आदि के पास जाते हैं, समझते हैं मन को शान्ति मिलेगी। वास्तव में यह अक्षर ही रांग है, इनका कोई अर्थ नहीं।

Q.4) माया का श्राप क्यों लगता है? श्रापित आत्मा की गति क्या होगी?

(उत्तर एक से अधिक भी हो सकते हैं)

A. वह बाप की दिल पर चढ़ नहीं सकते।
B. बाप और पढ़ाई का (ज्ञान रत्नों का) निरादर करने से |
C. अपनी मत पर चलने से माया का श्राप लग जाता है |
D. बुद्धि को ताला लग जाता है।
E. आसुरी चलन है, दैवीगुण धारण नहीं करते तो अपने पर बेरहमी करते हैं।

Q.5) Match the following

	Choice	Match
A	निश्चय की अखण्ड रेखा द्वारा	नम्बरवन भाग्य बनाने वाले विजय के तिलकधारी भव!
B	जो निश्चयबुद्धि बच्चे हैं	वह कभी कैसे वा ऐसे के विस्तार में नहीं जाते।
C	उनके निश्चय की अटूट रेखा	अन्य आत्माओं को भी स्पष्ट दिखाई देती है।
D	ऐसी रेखा वाले के मस्तक में अर्थात्	स्मृति में सदा विजय का तिलक नज़र आयेगा।
E	वे जन्मते ही सेवा की जिम्मेवारी के ताजधारी होंगे।	सदा ज्ञान रत्नों से खेलने वाले होंगे।
F	सदा याद और खुशी के झूले में झूलते हुए जीवन बिताने वाले होंगे।	यही है नम्बरवन भाग्य की रेखा।

Q.6) बहुत ऊंच पुरुषार्थ क्या है ?

A. देही-अभिमानी बनना |
B. सर्विस करना और धारणा करना |
C. ऊंच ते ऊंच बाप की तरफ ही दृष्टि रहे |

Q.7) मनुष्य गरीबों को दान करते हैं तो बाप भी आकर कितना ___ का दान करते हैं।

- बेहद
- behad

Q.8) **ज्ञान और योग वास्तव में एक ही चीज़ है |**

A. ○ True

B. ◉ False

Explanation: योग में न रहने से कुछ भी कल्याण होता नहीं। योग बिगर पावन कैसे बनेंगे? ज्ञान अलग चीज़ है, योग अलग चीज़ है।

Q.9) **बुरे ते बुरा है काम, फिर क्रोध।**

A. ◉ True

B. ○ False

Q.10) **Match the following**

	Choice	**Match**
A	सदा एक बाप की तरफ ही दृष्टि रखनी है।	देही-अभिमानी बनने का पुरुषार्थ कर माया के धोखे से बचना है।
B	कभी कुदृष्टि रख	अपने कुल का नाम बदनाम नहीं करना है।
C	सर्विस के लिए भाग दौड़ करते रहना है।	सर्विसएबुल और आज्ञाकारी बनना है।
D	अपना और दूसरों का कल्याण करना है।	कोई भी बदचलन नहीं चलनी है।
E	बुद्धि रूपी कम्प्युटर में	फुलस्टॉप की मात्रा आना माना प्रसन्नचित रहना।